आज जगराते दी रात

घर विच माँ दा जगन रचाया भागा वाला दिन आज आया,
विच जगराते आवे गई आज आद भवानी मात,
आज जगराते दी रात मैं नचना सारी रात,

तन विच दाती मन विच दाती रोम रोम विच दाती,
मैं अपनी जिंदगी भोली माँ दे चरना च लात ती,
माँ मेरी कर दिति है रेहमत दी बरसात,
आज जगराते दी रात मैं नचना सारी रात,

निक्किया निक्किया कंजका दे विच दर्शन माँ दा करना,
ज्योत जगाउनि पूजा करनी ध्यान मैया दा करना,
कंजका रही हॉवे गई आज मैया नाल गल बात,
आज जगराते दी रात मैं नचना सारी रात,

माँ दिया सोहनिया भेटा लिख्दा मोगे वाला ग्यानी,
खुद ग्यानी दी कलम च वसदी सरसवती वरदानी,
भेटा गा गा गोपी कृष्ण ने मंग लेनी खैरात,
आज जगराते दी रात मैं नचना सारी रात,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15486/title/aaj-jagraate-di-raat

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |